प्रारम्भिक वक्तव्य

माननीय सदस्यगण,

पंचम् झारखण्ड विधान सभा के षष्ठम् (मानसून) सत्र में आप सभी का हार्दिक स्वागत और अभिनन्दन। 03 सितम्बर से प्रारम्भ होकर 09 सितम्बर, 2021 तक आहूत सत्र में कुल-05 (पाँच) कार्य-दिवस प्रस्तावित हैं जिसमें विधान सभा के सत्र में नहीं रहने की अवधि में माननीय राज्यपाल द्वारा प्रख्यापित अध्यादेशों की प्रमाणीकृत प्रतियों को सभा-पटल में रखने के साथ ही वित्तीय वर्ष 2021-22 के प्रथम अनुपूरक व्यय विवरणी का उपस्थापन किया जायेगा। इसके अतिरिक्त प्रक्रिया तथा कार्य-संचालन के नियमों के अधीन माननीय सदस्यों को जन-सरोकार से जुड़े विषयों और समस्याओं पर सत्र के दौरान प्रश्न-काल, शून्यकाल, ध्यानाकर्षण सूचनायें, प्रस्तावों और संकल्पों को उठाने के अवसर भी प्राप्त होंगे।

माननीय सदस्यगण, कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बाद आज पहली बार हम एकत्र हो रहे हैं और इस विभीषिका में हम में से हर किसी ने किसी अपने को खोया है। इस महामारी का भय अब तक खत्म नहीं हुआ है परन्तु अपने दायित्वों के निर्वहन के लिए हम सब यहाँ एकत्र हुए हैं।

हमारा भारत अगस्त क्रांति दिवस की 79वीं वर्षगाँठ मना रहा है जिसे भारत छोड़ो आन्दोलन के रूप में भी जाना जाता है। यह दिवस हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास का एक मील का पत्थर माना जाता है क्योंकि 08 अगस्त, 1942 को हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी ने ब्रिटिश शासन की बेड़ियों को तोड़ने और "करो या मरो" (Do or Die) का आह्वान किया था। यह दिवस हमें महात्मा गाँधी के आदर्शों एवं भारत की आजादी में बलिदान देने वाले वीर स्वतंत्रता सेनानियों के शौर्य गाथा को मान देने का है। हम सभी को सदन में स्थापित लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परम्पराओं को मान देना होगा। झारखण्ड की जनता ने जिस उम्मीद और

आकांक्षाओं की पूर्ति हेतु हमें सदन में भेजा है, उनके उम्मीदों और विश्वास पर हम सभी को खरा उतरना होगा।

माननीय सदस्यगण, अभी अभी खेलों का महाकुंभ टोक्यो ओलम्पिक समाप्त हुआ है, किसी भी खिलाड़ी के लिए ओलम्पिक में हिस्सा लेना ही बहुत बड़ी उपलब्धि होती है और पदक हासिल करना किसी सपने के साकार होने जैसा होता है। भारत ने टोक्यो ओलम्पिक में भारोत्तोलक मीराबाई चानू के रजत पदक से शुरूआत की और देश के अभियान का स्वर्णिम सुखांत नीरज चोपड़ा के स्वर्ण पदक के साथ हुआ। भारत 1980 के पश्चात् शीर्ष 50 में स्थान बनाने में सफल हुआ। ट्रैक एवं फील्ड स्पर्धा में भारत को 13 साल बाद पहला पदक प्राप्त हुआ। हॉकी में 41 वर्षों से चला आ रहा पदक का इंतजार भी समाप्त हुआ। भारोत्तोलन में पहला रजत पदक और मुक्केबाजी में 09 वर्षों के बाद पहला पदक प्राप्त हुआ। पी0वी0 सिन्धु बैडमिन्टन में पदक जीत कर 02 ओलम्पिक पदक जीतने वाली पहली महिला खिलाड़ी भी बनी। भारतीय महिला हॉकी टीम ने जिस जज्बे के साथ अपने प्रतिद्वन्दी टीम का मुकाबला किया वह सराहनीय है। इस टीम में हमारी झारखण्ड की दो बेटियाँ सुश्री निक्की प्रधान, सुश्री सलीमा टेटे भी शामिल थीं। भारतीय महिला टीम में पदक की उम्मीद करोड़ों भारतीय जन-मानस के मन में जागृत किया, यह किसी पदक से कम नहीं है। मैं टोक्यो पैरालिंपिक खेलों में भाग लेने वाले देश के समस्त खिलाड़ियों का भी अभिनन्दन करता हूँ, जिन्होंने अपनी विपरीत परिस्थितियों में ऊँची उड़ान भरने के जज्बे को दिखाया है और 'हमारे पास भी पंख हैं' की थीम की सार्थकता को सिद्ध किया है।

हाल ही में हमने आजादी के 75वें वर्ष में कदम रखा है। यह दिवस हमारे देश एवं राज्य के समस्त वीर स्वतंत्रता सेनानियों के त्याग, तपस्या और बलिदान को सम्मान देने का है, जिनकी वजह से आज हम पराधीनता की बेड़ियों से मुक्त होकर आजादी की हवा में साँस ले रहे हैं।

माननीय सदस्यगण, प्रजातंत्र में संसदीय प्रणाली को सर्वोत्तम स्थान प्राप्त है। इसकी आत्मा विधायिका में ही निहित होती है। विधायिका के माध्यम से जनता अपने प्रतिनिधियों के माध्यम से सरकार की नीतियों और उसके कार्यक्रमों में अपनी सहभागिता को भी निभाती है।

वर्तमान कोरोना संकट के दरम्यान यद्यपि अपने राज्य को विकासोन्मुखी बनाने के लिए कुछ चुनौतियाँ भी हैं जिसका सामना हम सबको मिल-जुल कर दलगत भावना से ऊपर उठ कर करना होगा। झारखण्ड की जनता ने हमें सदन के अन्दर सत्ता और विपक्ष दोनों को एक सार्थक भूमिका निभाने हेतु अवसर प्रदान किया है। विधायी संस्था की सबलता भी इसी में निहित है कि जब पक्ष और विपक्ष आपस में एकजुट होकर सदन को चलाने में अपनी सहभागिता निभायें। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह सहयोग राज्यहित में मुझे आप सभी से प्राप्त होगा।

इसी शुभकामनाओं सहित विश्वास के साथ आप सभी का पुनः अभिनन्दन।